तापमान
अधिकतम 43.7 डिग्री
न्यूनतम 18.1 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

12 ड्रग फ्री हरियाणा साइकिल यात्रा का स्वागत

12 आसमानी बिजली से राजोखेड़ी के पावर हाउस में लगी आग

खबर संक्षेप

ट्रेन में यात्री से मोबाइल फोन छीनकर फरार

पानीपत। उत्तर प्रदेश के मथुरा से पानीपत के लिए मालवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12919) में सवार वेद प्रकाश चौबे निवासी मथुरा का एक बदमाश ने मोबाइल फोन सैट छीन लिया और ट्रेन से कूद कर फरार हो गया। वहीं चौबे की शिकायत पर जीआरपी थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उधारी के पैसे मांगने पर दो भाइयों पर गोली चलाई

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह में बिजेंद्र व सतीश निवासी गांव देहरा पर रिश्तेदारों ने गोलियां चला दी। जिसमें दोनों बाल-बाल बच गए। मामला, रिश्तेदारों को उधार दिए 50 हजार रुपए वापस मांगने का है। आरोपियों ने माथे पर पिस्तौल लगाकर गोली मारने की कोशिश की। लेकिन राउंड न होने के चलते वह बाल-बाल बच गया। वहीं बिजेंद्र की शिकायत पर हुडा सेक्टर 29 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव डाहर में मकान से गहने और नकदी चोरी

पानीपत। पानीपत के गांव डाहर में रहने वाले दीपक पुत्र जसवंत के घर से चोरों ने 20 हजार रुपए और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। डाहर गांव के निवासी दीपक ने पुलिा को शिकायत दर्ज करवाई कि 17 अप्रैल की रात करीब एक बजे अज्ञात चोर बाथरूम के रास्ते उसके घर में घुसे थे। वे घर से 20 हजार रुपए और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस ने दीपक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक का अपहरण कर मारपीट, घायल किया

पानीपत। पानीपत के गांव परढाना निवासी अमन का सात युवकों ने अपहरण कर लिया और उसकी पिटाई कर घायल कर दिया। इधर, अमन के पिता रामरूप की शिकायत पर इसराना थाना पुलिस ने रिंकू, रवि, राजा, निक्कू, सोनू, सज्जन और विवेक पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोबाइल झपटमारी के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने मोबाइल झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों कृष्ण पुत्र सुरेंद्र निवासी गांव मतरौली व साहिल पुत्र जगबीर निवासी गांव रायमाल को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन प्रभारी संदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से झपटमारी किए गए सात मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मामलों में कई थानों में केस दर्ज है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

तस्कर को 1.50 किलो चूरापोस्त समेत पकड़ा

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने नशा तस्कर पालू पुत्र सलेखचंद्र निवासी गांव हथवाला को 1 किलो 50 ग्राम भुक्की चूरापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना समालखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है और इस केस से जुडे अन्य आरोपियों को पकडने के लिए पालू को कोर्ट से चार दिन के रिमांड पर लिया है।

चोरी के गहने खरीदने वाला आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने सैनी कॉलोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर सोने, चांदी के जेवरात चोरी करने वाले गिरोह के आरोपी से जेवरात खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान नजर मोहमद निवासी दरबार खुर्द तीतरवाडा चुंगी शामली उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना किला में सैनी कॉलोनी निवासी कैलाश पुत्र बनारसी की शिकायत पर केस दर्ज है।

भाकियू के सदस्यों ने रादौर अनाज मंडी का निरीक्षण कर जांची गेहूं खरीद की व्यवस्था

तीन आढ़तियों की दुकानों पर गेहूं से भरे कट्टों में तय वजन से अधिक मिला गेहूं

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रादौर

भारतीय किसान यूनियन के सदस्यों ने रादौर अनाजमंडी में निरीक्षण कर गेहूं के तोल की जांच की और किसानों की समस्याएं सुनी। इस दौरान तीन आढ़तियों की दुकानों पर गेहूं से भरे कट्टों में निर्धारित वजन से अधिक गेहूं मिलने पर भाकियू ने चिंता जताई और एसडीएम रादौर नरेंद्र कुमार को शिकायत देकर जांच करवाए जाने की मांग की।

- आरोपी आढ़तियों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई की मांग

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मार्केट कमेटी के सचिव अमित कुमार ने अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में कट्टों की तुलाई कर जांच की और निर्धारित वजन से अधिक कट्टों में वजन पाए जाने वाले आढ़तियों को नोटिस देकर जवाब मांगा गया। भाकिय (टिकैत) के जिला अध्यक्ष सुभाष गुज्जर के नेतृत्व में दर्जनों किसान नेता रादौर अनाज मंडी में पहुंचे और गेहूं खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मंडियों में गेहूं का पूरा सीजन चल रहा है। सैकड़ो किसान हर रोज मंडी में गेहूं लेकर आते हैं। ऐसे में कुछ आढ़ती सरकार द्वारा निर्धारित गेहूं से अधिक गेहूं कट्टो में तोलकर किसानों को चुना लगाने का काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले कुरुक्षेत्र अनाज मंडी व करनाल में भी तोल में बड़ी हेरा फेरी मिली थी। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान की कट्टे में किलो या आधा किलो फालतू गेहूं तोली जाती है तो किसान को बहुत भारी नुकसान होता है।

यमुनानगर। रादौर अनाज मंडी में गेहूं के कट्टों की तुलाई करवाते हुए भाकियू से सदस्य।

भाकियू के जिला प्रधान सुभाष गुज्जर ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष रतनमान के आदेश पर प्रदेश की मंडियों में भारतीय किसान यूनियन की टीमे मौके पर जाकर तोल को चैक कर रही हैं। इसी कड़ी में जिले में भी भाकियू की पूरी टीमे गठित की गई हैं। जो गेहूं के सीजन के चलते मंडियो में तैनात रहेंगी। सभी ब्लॉक अध्यक्ष अपने क्षेत्र की मंडियों में जाकर व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं। इसी कड़ी में आज रादौर मंडी में जब टीम ने लगभग 10 दुकानों के कांटों का तोल चेक किया तो कुछ आढ़तियों की दुकानों पर हेराफेरी पाई गई। जिसकी शिकायत प्रशासन को दी गई है। उन्होंने मौके पर एसडीएम रादौर को बुलाकर जांच करवाई। साथ में मार्केट कमेटी की पूरी टीम भी साथ रही।

उन्होंने कहा कि जो भी सरकार की तरफ से उनके खिलाफ कार्रवाई बनती है। प्रशासन उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। अन्यथा भारतीय किसान यूनियन कड़ा फैसला लेगी।

आढ़तियों को नोटिस

मार्केट कमेटी के सचिव अमित कुमार ने बताया कि जिन आढ़तियों के कट्टों में निर्धारित वजन से अधिक वजन पाया गया है उन्हें नोटिस दिए गए हैं। जिसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर भाकूिय के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपराणा नंबरदार, महेंद्र कांबोज चमरौड़ी, मंडल उपाध्यक्ष सरदार रविंदर पाल सिंह, जिला महासचिव सरदार मनमोहन सिंह औजल, कुलविंदर सिंह सिद्धू, विनद डांगी,साहिल सेतिया. रमेश ढिल्लो, पवन अलाह, मदनलाल कांजनू, पवन गोयल दामला, बलबीर सिंह सरपपंच पलाका आदि मौजूद रहे।

आढ़तियों के दो पक्ष भिड़े

इंद्री। मार्किट कमेटी कार्यालय मे मार्किट कमेटी सचिव से बात करते आढ़ती ।

इंद्री। अनाज मंडी में एग्जिट गेट पास व मंडी में एक एजेंसी द्वारा धीमे उठान होने को लेकर अनाज मंडी इंद्री की दोनों यूनियनों के प्रधान व मंडी के आढती मार्किट कमेटी कार्यालय पहुंचे और मार्किट कमेटी सचिव जसवीर सिंह से मिलकर समस्या के समाधान करवाने की मांग की। आढ़तियों ने सचिव को बताया कि मंडी में एग्जिट गेट पास सही तरीके से नहीं काटे जा रहे और ना ही मंडी में बारदाना समय पर आ रहा है। सचिव जसवीर सिंह ने संबंधित फूड सप्लाई विभाग के अधिकारी से बात की तो इस पर उक्त अधिकारी ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया । इसके बाद मंडी के आढतियों का गुस्सा देखकर मार्किट कमेटी सचिव ने फोन पर मामले की सूचना एसडीएम अशोक मुंजाल व उच्च अधिकारियों को दी । लेकिन मंडी के दोनों यूनियनों के आढ़ती आपस मे भिड़ गए और जमकर कहासुनी हुई । सचिव ने आश्वासन दिया कि आगे इस प्रकार की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी। एक कच्चा आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान सतपाल बैरागी ने फूड सप्लाई विभाग के अधिकारी पर आरोप लगाया कि वह कुछ आढ़तियों के साथ मिलीभगत कर रात को 12 बजे मंडी में बारदाने की सप्लाई व उठान के लिए एग्जिट गेट पास दे रहा है जिस कारण कुछ आढ़तियों का गेहूं का उठान नहीं किया गया है।

निवेशकों से 150 करोड़ हड़पने वाला दंपती काबू

- आरोपी रिंकू ढांडा को कोर्ट से चार दिन के रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पानीपत

पानीपत पुलिस ने निवेशकों के साथ करीब 150 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाली कंपनी के डायरेक्टर रिंकू ढांडा व उसकी पत्नी सोनिया को गिरफ्तार किया है।

आरोपी दंपती ने अपने अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर वर्ष 2019 में जीएफएक्स एकेडमी प्राइवेट लिमिडेट नाम से कंपनी बनाकर 10 महीने में पैसे डबल करने का झांसा देकर लोगों से कंपनी में निवेश करा करीब चार साल तक निवेशकों को स्कीम का लाभ देने के बाद वर्ष 2024 में कंपनी बंद कर दी थी। आरोपियों के खिलाफ पानीपत व अन्य जिलों में शिकायत देकर मामले दर्ज कराए गए थे। पुलिस अधीक्षक लोकेंद्र सिंह ने बताया कि गत 31 मार्च को एनएचबीसी निवासी सुरेश पुत्र कृष्णलाल ने शिकायत दी थी। इधर, पुलिस ने रिंकू ढांडा को ठगी के इस पूरे मामले की जानकारी लेने के लिए कोर्ट से चार दिन के रिमांड पर लिया है। वहीं, आरोपियों के कब्जे से फॉच्युर्नर, वरना गाड़ी व 2 लाख रूपए कैश बरामद किया है। वहीं, इन मामलों थाना चांदनी बाग, थाना किला व थाना सेक्टर 13/17 में एक-एक मामला व करनाल में एक व जीन्द में दो केस दर्ज हैं।

कर्मरत ब्राह्मणों के मानदेय के लिए सरकार वचनबद्ध : शर्मा

- राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने ब्राह्मण विकास बोर्ड के गठन का भी दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

सनातन धर्म पुरोहित मंडल सोसायटी के तत्वाधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव एवं ब्राह्मण सम्मान समारोह का आयोजन भगवान परशुराम भवन बलदेव नगर अंबाला शहर में किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा व पूर्व मीडिया प्रमुख भाजपा संजय शर्मा पहुंचे थे। इस अवसर पर सनातन धर्म पुरोहित मंडल सोसायटी, ब्राह्मण समाज के अन्य पदाधिकारी गण व अन्य धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न दौशाला व सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहना कर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर रोहित कृष्ण शास्त्री के द्वारा भजन संकीर्तन किया गया।

अंबाला। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते पुरोहित मंडल सोसायटी के पदाधिकारी।

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा द्वारा जिन ब्राह्मण बंधुओं ने अपना सम्पूर्ण जीवन सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार में व्यतीत किया है को दौशाला एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सनातन धर्म पुरोहित मंडल के प्रधान संजीव मुदगल ने ब्राह्मणों के लिए मानदेय एवं ब्राह्मण विकास बोर्ड का गठन करने के लिए सांसद को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा ने सनातन पुरोहित मंडल सोसायटी को इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि आप जितना अधिक व्यावहारिक कर्मकांड करते हुए शुद्ध शास्त्रों की व्याख्या करंगे समाज में ब्राह्मणों के प्रति उतनी ही अच्छी राय बनेगी। हमें अपने ज्ञान का उपयोग पूरे हिंदू समाज के कल्याण और विकास के लिए करना चाहिए और बच्चों को उच्च शिक्षा देने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मुख्य अतिथि सांसद कार्तिकेय शर्मा ने मंडल के सभी सदस्यों को ब्राह्मणों को पुरोहित कर्मकांड करने वाले सब विप्र समाज को यह आश्वासन दिया है कि जो भी उनका मानदेय निर्धारित सरकार द्वारा करने का वचन पूर्व में मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है। वह अवश्य इस विषय को मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री मोदी के सामने रखेंगे तथा ब्राह्मण विकास बोर्ड का भी गठन भी करवाएंगे। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया उनकी जो भी उचित मांगे हैं उसे अवश्य पूरा करवाएंगे।

भवन का शिलान्यास

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने शनिवार को राजौरी गार्डन नजदीक शाहपुर में परशुराम भवन का शिलान्यास किया। यहां पहुंचने पर विश्व ब्राहमण संघ हरियाणा एवं ब्राह्मण एकता शक्ति वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन जयभगवान शर्मा, महासचिव सुरेंद्र मोहन वत्स व अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि को पुष्पगुच्छ व फूलमालाएं पहनाकर उनका भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर सभा के पदाधिकारियों ने मुख्यअतिथि को सम्मान का प्रतीक पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया।

मंदबुद्धि युवती से दुष्कर्म करने के दोषी को 10 साल की कैद और 65 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

- सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से पकड़ में आया आरोपी

मंदबुद्धि युवती को बहला फुसलाकर अगवा करके दुष्कर्म करने के मामले में अदालत ने आरोपी को दस वर्ष की कैद व 65 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सुनाया है।

रादौर क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने 31 जनवरी 2023 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बीस वर्षीय बेटी मंदबुद्धि है। वह घर के बाहर आंगन में बैठी हुई थी। इस दौरान एक व्यक्ति उसकी बेटी को बहला फुसला कर अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर कहीं ले गया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एएसआई कोमल के नेतृत्व में टीम का गठन कर जांच शुरु की। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में आरोपी अपनी मोटरसाइकिल पर मंदबुद्धि युवती को बिठाकर कहीं ले जाता हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश की और उसे ढूंड निकाला और युवती को बरामद कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान मरचेरी (बाबैन) निवासी बिट्टू के रूप में हुई। पुलिस ने इस दौरान युवती की मेडिकल जांच करवाई गई तो दुष्कर्म होने की पुष्टि हुई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी बिट्टू के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया।

कट्टा दिखाकर युवक ने महिला के साथ किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ▸▸| यमुनानगर

- महिला थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर केस कुरुक्षेत्र पुलिस को किया ट्रांसफर
- आरोपी ने महिला का वीडियो उसके पति के पास भेजा, पति ने पत्नी व बेटी को छोड़ दिया

युवक ने देसी कट्टे का डर दिखाकर होटल के कमरे में ले जाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। घटना कुरुक्षेत्र पुराना बस स्टैंड के नजदीक होटल की है। आरोप है कि आरोपी युवक ने महिला की वीडियो उसके पति को भेज दी। इसके बाद उसके पति ने महिला व उसकी बच्ची को छोड़ दिया। महिला थाना पुलिस ने मामले की जांच के बाद जीरो एफआईआर दर्ज कर केस को कुरुक्षेत्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया।

थाना छप्पर क्षेत्र के एक गांव निवासी 26 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी इंस्टाग्राम पर एक महिला के साथ दोस्ती हुई थी। वह उस महिला से अपनी सभी बात शेयर करने लगी। पीड़िता ने बताया कि उस महिला के साथ उसका दोस्त मनीष रिलेशनशिप में था। जब वह महिला से फोन पर बात करती तो मनीष भी उसके साथ फोन पर बात कर लेता था। इसके बाद आरोपी ने उसे कहा कि वह उसे छोड़कर तुम्हारे साथ रहना चाहता है। उसने आरोपी मनीष को मना कर दिया। एक दिन जब वह अपनी सहेली से फोन पर बात कर रही थी तो आरोपी मनीष ने उसकी फ्रंट कैमरे से वीडियो रिकॉर्ड कर ली। इसके बाद आरोपी ने चुपके से उसका मोबाइल नंबर ले लिया और उससे फोन पर बात करने लगा। आरोपी ने उसे कहा कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसके पति व बच्ची को जान से मार देगा, जिससे वह डर गई। इस दौरान आरोपी मनीष ने गत 10 फरवरी को उसे कुरुक्षेत्र में पुराने बस स्टैंड के पास मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गई तो इसके बाद आरोपी उसे एक होटल में लेकर गया। जहां आरोपी ने देसी कट्टे का डर दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी उसे छोड़कर भाग गया। आरोपी युवक ने उसकी वीडियो उसके पति के पास भेज दी। जिसके बाद उसके पति ने उसे वह उसकी बच्ची को छोड़ दिया। इसके बाद आरोपी उसे पर अपने दोस्तों के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा।

कुवि में काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष पर बौद्धिक मंथन का आयोजन

इतिहास के पुनः लेखन से लौटेगा देश का गौरव

- काकोरी जैसी घटना पर फिल्मों के निर्माण की जरूरत :अभिजीत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में पुरातात्विक भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विभाग में दो दिवसीय सभ्यता अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष पर दो दिवसीय बौद्धिक मंथन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुवि के डॉ. बीआर अम्बेडकर अध्ययन संस्थान के निदेशक डॉ प्रीतम ने कहा कि भारत में इतिहास पुनः लेखन की आवश्यकता ताकि भारत के अतीत के गौरव को युवा पीढ़ी से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि सन 2047 तक भारत का स्वर्णिम इतिहास एक बार फिर से जनता के सामने होगा। इस दिशा में सभ्यता अध्ययन केंद्र सहित अनेक संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आवश्यकता है भारत के लोगों के सामने भारतीय इतिहास को सही स्वरूप में प्रस्तुत करने की ताकि भारत के गौरवशाली इतिहास के विषय में यहां की जनता रूबरू हो सके। कार्यक्रम में अंबेडकर विश्वविद्यालय नई दिल्ली के एसोसिएट प्रो. डॉ आनंदवर्धन ने मुख्य वक्ता के रूप में काकोरी मिशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से ऐतिहासिक अवलोकन किया। फिल्म निर्माता अभिजीत ने कहा कि आवश्यकता है काकोरी जैसी घटना पर फिल्मों के निर्माण की। इस मौके पर लोक संपर्क विभाग के निदेशक प्रो महासिंह पूनिया ने कहा कि वर्तमान दौर भारत के पुनर्जागरण एवं इतिहास के पुनः लेखन का दौर है। आने वाले दिनों में इतिहास में छिपी हुई घटनाएं पुर्नजागृत होकर युवा पीढ़ी के समक्ष प्रस्तुत होगी। इस मौके पर सभ्यता अध्ययन केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर ने सभ्यता अध्ययन केंद्र की भावी योजनाओं एवं हरियाणा में इसके पुनर्गठन की संभावनाओं को अभिव्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल, पूर्व अधिष्ठाता डॉ. सीपी सिंह, कार्यक्रम के संयोजक डॉ भगत सिंह, गीता चेयर के अध्यक्ष डॉ आर के देसवाल, भारतीय पुरातत्व विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ धर्मवीर शर्मा, समाज सेवक डॉ राजकुमार, संस्कृत विद्वान डॉ. रामचंद्र सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे।

गणितीय संकल्पनाओं के लिए बनाया मैथ गार्डन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बराड़ा

शिक्षा में नवाचार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मैथ गार्डन का शुभारंभ किया गया। स्कूल की इस अभिनव पहल का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या मंजू बाला ने किया।

बराड़ा। स्कूल की ओर से बनाए गए मैथ गार्डन का दृश्य।

प्रिंसिपल ने बताया कि यह मैथ मॉडल गार्डन विद्यार्थियों में मैथ सब्जेक्ट के प्रति रुचि को जगाने और इसे खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को आसान और आनंददायक बनाने के उद्देश्य से निर्मित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से बच्चों में गणित के प्रति फैले भय को कम किया जा सकेगा और वे गणित की मूल अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे।" स्कूल के कैंपस में बने इस मैथ गार्डन में ऐसे मॉडल्स व गतिविधियाँ शामिल की गई हैं जिनसे परिमिति, क्षेत्रफल, त्रिज्या, कोण, ज्यामितीय आकार और अन्य गणितीय संकल्पनाओं को सहजता से समझा जा सकता है।

खबर संक्षेप

जिम से घर लौट रही महिला की चेन झपटी

यमुनानगर। जिम से घर लौट रही महिला के गले से बाइक सवार दो युवकों ने सोने की चेन झपट ली। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेजली रोड सुंदर नगर निवासी रामकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी कविता जिम जाती है। 18 अप्रैल को शाम पांच बजे उसकी पत्नी जिम से एक्टिवा पर घर लौट रही थी। जब वह अरोड़ा कन्फेक्शनरी के पास पहुंची तो बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसकी पत्नी के गले से सोने की चेन झपट ली। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। उसके पत्नी के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने आरोपियों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया मगर आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी।

अवैध हथियार व जिंदा रौंद के साथ युवक धरा

यमुनानगर। जिला पुलिस की सीआईए वन पुलिस टीम ने दहिया फॉर्म बुढ़िया के पास से युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध देसी कट्टा, एक जिंदा राउंड व मोबाइल बरामद किया है। जानकारी के अनुसार सीआईए वन पुलिस टीम में तैनात ईएचसी बृजपाल ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि दहिया फॉर्म बुढ़िया के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रही युवक को हिरासत में लेकर उसके तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देसी कट्टा, एक जिंदा राउंड व मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान आजाद नगर निवासी वाशु के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उधार लिए पैसे मांगने पर युवक पर किया हमला

यमुनानगर। शहर की हरी नगर कॉलोनी में उधार लिए सौ रुपए वापस मांगने पर दो भाइयों ने युवक पर लाठी व डंडों से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दोनों आरोपी भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर की हरी नगर निवासी अमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह फेरी लगाने का काम करता है। कुछ दिन पहले कॉलोनी के ही रितिक ने उसके पास से सौ रुपए उधार लिए थे। जब वह आरोपी से अपने पैसे वापस मांगने लगा तो आरोपी तैश में आ गया। इस दौरान आरोपी रितिक ने अपने भाई चुस्की के साथ मिलकर उस पर लाठी व डंडों से हमला कर दिया। जिससे वह घायल हो गया। मारपीट की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

लोटे में नमक डालकर प्रदेश को नशामुक्त बनाने का लिया संकल्प

साइक्लोथॉन यात्रा का जिले में जोरदार स्वागत,कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला में हरियाणा को ड्रग फ्रीबनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संदेश के साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों को कवर करते हुए साइक्लोथॉन यात्रा शनिवार को सुबह आठ बजे दामला में पहुंची। दामला में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने यात्रा का स्वागत किया।

इसके बाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर यमुनानगर व जगाधरी के लिए रवाना किया। जिला वासियों ने साइक्लोथॉन का जगह जगह फूलों की वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। साइक्लोथॉन यात्रा में प्रबुद्ध वर्ग और युवाओं ने लोटे में नमक डालकर हरियाणा को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। साइक्लोथॉन यात्रा के गांव दामला में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 5 अप्रैल को हिसार से शुरू की गई साइक्लोथॉन नशा मुक्त हरियाणा के सामाजिक संदेश के साथ पूरे प्रदेश को कवर करेगी। उन्होंने युवा शक्ति को सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खत्म करने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार देश प्रदेश में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से होकर गुजरने वाली यह साइक्लोथॉन ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश देने में अहम रहेगी।

इसके बाद यात्रा यमुनानगर में पहुंची। यमुनानगर में यात्रा के पहुंचने पर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा व जिला अध्यक्ष राजेश सपरा समेत वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इसके बाद साइक्लोथान यात्रा यमुनानगर के विभिन्न स्थानों से होती हुई जगाधरी में पहुंची। जगाधरी में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर साइक्लोथान यात्रा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक विशेषकर युवा वर्ग नशे का त्याग कर अपनी ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग भारत देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करें। इसके बाद यात्रा जगाधरी के विभिन्न स्थानों से होती हुई साढ़ौरा में पहुंची। जहां पर पूर्व विधायक बलवंत सिंह ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया।

यमुनानगर। दामला में साइक्लोथान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व साइकिल यात्रा में भाग ले रहे युवावर्ग और अन्य।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सृष्टि गुप्ता, तहसीलदार राद़ौर सुदेश मेहरा, सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी आदि समेत अन्य मौजूद रहे।

- 5 अप्रैल को हिसार से मुख्यमंत्री सैनी ने हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन यात्रा को था रवाना

अस्थमा और सांस के मरीज तीखे खानपान से करें परहेज

यमुनानगर। डॉ. निर्मल अस्पताल में आयोजित शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

- शिविर में मरीजों को मुफ्त में दवाइयां की वितरित
- अस्थमा के मरीजों को गर्मी के मौसम में बचाव के बताए उपाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

शहर के सहारनपुर-कुरूक्षेत्र मार्ग पर कैंप स्थित निर्मल अस्पताल में शनिवार को निःशुंल्क अस्थमा व दमा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 200 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। मौके पर मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की। इस दौरान छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच की गई।

शिविर में अस्थमा, सांस व दमा रोग विशेषज्ञ डॉ. निर्मल सिंह व अन्य चिकित्सकों की टीम ने 200 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। जिनमें अधिकांश लोगों को अस्थमा, शुगर, सांस, दमा व हृदय रोग का शिकार पाया गया। मौके पर डॉ. निर्मल सिंह ने मरीजों को रोगों के उपचार और स्वस्थ रहने के लिए उपाय बताए। उन्होंने बताया कि आजकल गर्मी का मौसम चल रहा है। जिसकी वजह से लोग जानकारी के अभाव में विभिन्न रोगों की चपेट में आ रहे हैं।

डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि शिविर में ज्यादात्तर रोगी अस्थमा, सांस व दमा से पीड़ति पाए गए। जिनका अस्पताल की ओर से निःशुल्क उपचार किया गया। डॉ. निर्मल ने बताया कि मौसम में तापमान बढ़ने से अस्थमा और दमा के मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मरीजों को मौसम में बढ़ रहे तापमान के चलते घर से बाहर निकलने में ऐहतियात बरतने और खानपान में तीखे मसाले आदि से बने खाद्य पदार्थ नहीं खाने के लिए सलाह दी।

150 का जांचा स्वास्थ्य

इस अवसर पर शिविर में बाल रोग विशेषज्ञों ने 150 बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की। मौके पर उन्होंने बच्चों के खान पान के बारे में भी अभिभावकों को सचेत किया।

डेबिट कार्ड बदलकर व्यक्ति के अकाउंट से निकाले ₹ 50 हजार

यमुनानगर। शहर की आईटीआई के नजदीक पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में डेबिट कार्ड का पिन जनरेट करने गए व्यक्ति का कार्ड बदल अज्ञात व्यक्ति ने खाते से 50 हजार रुपये निकाल लिए। जानकारी के अनुसार जंदेडा गांव निवासी पृथ्वी सिंह ने बताया कि वीरवार को वह आईटीआई के नजदीक पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम में अपने डेबिट कार्ड का पिन जनरेट करने आया था। उससे पहले एटीएम बूथ में दो-तीन व्यक्ति खड़े थे। उसने अपने डेबिट कार्ड का पिन जनरेट किया। तभी उसके पीछे खड़े व्यक्ति ने उससे कहा कि अपना पिन जनरेट हुआ या नहीं चेक कर लो। इसके बाद उसने फिर अपना पिन चेक किया। तभी उसके पीछे खड़े व्यक्ति ने धोखे से उसका डेबिट कार्ड बदल लिया। इसके बाद वह घर आ गया। जब वह घर पहुंचा तो उसने देखा कि उसका डेबिट कार्ड बदला हुआ है। उसने तुरंत कस्टमर केयर को फोन करके डेबिट कार्ड ब्लॉक कराया। तभी उसके खाते से 50 हजार रुपये निकलने का संदेश आ गया। आरोप है कि उसके पीछे खड़े व्यक्ति ने उसका डेबिट कार्ड बदलकर उसके खाते से 50 हजार रुपये निकाले है। गांधी नगर थाना पुलिस ने अज्ञात पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरमनदीप मिस थीम व काजल मिस फेयरवेल बनी

डीएवी गर्ल्स कॉलेज में सीनियर्स विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

डीएवी गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को सीनियर्य स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसका थीम ब्यूटीफुल नारी इन गॉर्जियस साडी रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर ने किया। इस दौरान सीनियर्स को विभिन्न टाइटल देकर सम्मानित किया गया।

प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर ने बताया कि फेयरवेल पार्टी में एम.कॉम अंतिम वर्ष की हरमनदीप कौर को मिस थीम व रूप सज्जा विभाग की काजल को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। वहीं, मिस गॉर्जियस का खिताब बीएससी कंप्यूटर साइंस अंतिम वर्ष की छात्रा सुहानी को मिला। बीएससी फैशन डिजाइनिंग अंतिम वर्ष की शाइना को मिस वर्सेटाइल के खिताब से नवाजा गया। मरियम मलिक को मिस कांफिडेंस, नंदनी को मिस रफोटोजेनिक, परणिका को मिस स्माइल व महक को मिस लैजेंड के खिताब से नवाजा गया। कॉलेज की कार्यवाहक प्रिंसिपल डॉ. सुरिंद्र कौर ने विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। छात्राओं ने हिंदी, पंजाबी, हरियाणवीं, वेस्टर्न गीतों पर डांस कर समां बांध दिया। डॉ. सुरिंद्र कौर ने कहा कि आज के युग में लड़कियां हर क्षेत्र में अग्रणीय हैं। जीवन में समस्याओं से घबराना नहीं बल्कि उनका डटकर मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन के किसी मुकाम पर छात्राओ को कॉलेज व टीचर्स की जरूरत पडे तो वे संकोच न करें। कॉलेज व टीचर हमेशा उनके साथ हैं। उन्होंने छात्राओं से आहवान किया कि अब पूरा ध्यान लगाकर पढाई करें और परीक्षाओं में अच्छे अंकों से प्राप्त कर कॉलेज व अभिभावकों का नाम रोशन करें। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी और सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर विभूति व लविशा ने तारे गिन गिन मैं तो जागा रातों नूं गीत पर जमकर डांस किया।

यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित फेयरवेल पार्टी में टाइटल देकर नवाजी गई सीनियर्स छात्राएं सम्मानित होने पर खुशी जताते हुए।

फलों के सेवन से शरीर रहता है स्वस्थ : सिक्का, बच्चों को बताया फलों का महत्व

यमुनानगर। न्यू हैप्पी सीनियर सैकेंडरी स्कूल लक्ष्मी गार्डन यमुनानगर में शनिवार को बच्चों के लिए फ्रूट पार्टी का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों को फलों के महत्व से अवगत करवाते हुए उनको अपने रोजाना के आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल की प्रिंसीपल सुश्री कमलेश सिक्का ने किया। स्कूल की प्रिंसीपल सुश्री कमलेश सिक्का ने कहा कि बच्चों को अपने जीवन में फलाहार का नियमित सेवन करना चाहिए। क्योंकि फलों से हमारे शरीर को जो पोषण मिलता है। उससे हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और हर तरह की बीमारी से स्वयं ही लड़ सकता है। इसलिए हमें अपनी रोजाना की दिनचर्या में फ्लों का सेवन अवश्य करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को आम, पपीता, सेब, केला, संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, कीवी व अन्य फलों से मिलने वाले पोषक तत्वों की विस्तार से जानकारी दी। फ्रूट पार्टी के दौरान बच्चों ने एक दूसरे को भी फल बांटे तथा खिलाए।

लालकिला टीम ने जीती इंटर हाउस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

मुकंदलाल नेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल रादौर में शनिवार को विश्व धरोहर दिवस मनाया गया। जिसमें इंटर हाउस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व विरासत स्थलों पर प्रस्तुति का आयोजन किया गया। स्कूल के मुख्यध्यापक प्रमोद ग्रोवर ने बताया कि कार्यक्रम में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों को विरासत स्थलों पर प्रस्तुति दिखाई गई। वहीं, नौवीं व दसवीं के छात्रों के बीच प्रश्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें इन टीमों का नाम भी हमारी प्रसिद्ध धरोहर जैसे लालकिला, कुतुब मीनार, ताजमहल व हवा महल पर रखा गया। जिसमें टीम लाल किला के रियांश, सिद्धार्थ, सागर व कपिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम हवा महल के सिमरन सैनी, अक्षरा, माही व सिमरन द्वितीय रहे।

यमुनानगर। मुकंदलाल नेशनल स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

विजेता किए सम्मानित

विद्यालय के मुख्य अध्यापक प्रमोद ग्रोवर ने विद्यार्थियों को धरोहर स्थलों के बारे जानकारी देते हुए प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इन गतिविधियों का आयोजन डॉली, योगिता, कमलेश, दिव्या द्वारा किया गया।

तियाना ने भाषण प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

- रोटरी क्लब रादौर द्वारा भाषण प्रतियोगिता का किया आयोजन
- प्रतियोगिता में रादौर क्षेत्र के 14 स्कूलों के 45 बच्चों ने प्रतियोगिता में लिया भाग

यमुनानगर। रादौर में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

रोटरी क्लब रादौर के तत्वावधान में शनिवार को कस्बा के स्वराज पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रादौर क्षेत्र के 14 स्कूलों के 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि एवं मुकंदलाल नेशनल कॉलेज रादौर की प्रिंसीपल डॉ. माला शर्मा ने सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसीपल पूजा जौली कालरा ने की। स्कूल की प्रिंसीपल पूजा जौली कालरा ने बताया कि कक्षा छठी की भाषण प्रतियोगिता में एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर की छात्रा तियाना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अष्टविनायक स्कूल खरकाली से कविश ने द्वितीय, सरकारी स्कूल छोटाबांस से कार्तिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गुमथला से आयना ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कक्षा 7वीं की भाषण प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर से सीरत ने प्रथम, स्वराज पब्लिक स्कूल रादौर से हिमांशु अग्रवाल ने द्वितीय, मुकंदलाल सीनियर सैकेंडरी स्कूल से कृतिका ने तृतीय व लाइक पब्लिक स्कूल से भूपेश ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कक्षा 8वीं की प्रतियोगिता में स्वराज पब्लिक स्कूल की छात्रा दृष्टि ने प्रथम, डीएवी पब्लिक स्कूल से काशवी ने द्वितीय, गुरुकुल खरकाली से युवराज ने तृतीय व न्यू राइजिंग स्कूल मंडौली से सृष्टि ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। सभी विजेता विद्यार्थियों को क्लब की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका क्लब की सदस्य परमजीत कौर, गीतिका जौहर, कंचन अरोड़ा ने निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा जौली कालरा ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर पूजा माटिया,नीलम बंचल, लीला रोहिला, साक्षी पुरूथी, पूनम चोपड़ा, डॉ. वंदना सांगवान, रानी सैनी, सुमन शर्मा आदि मौजूद रहे।

शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को कल्याणकारी संगठनों की संरचना को समझाने में करते हैं मदद : डॉ. सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर के समाज कार्य विभाग के बीए के विद्यार्थियों के लिए एनजीओ समेत विभिन्न स्थानों का शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। इस दौरान समाज कार्य विभाग के बीए के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान एनजीओ समेत अन्य संस्थानों की गतिविधियों की जानकारी हासिल की। कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. प्रतिमा शर्मा ने शैक्षणिक भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को रवाना किया। कॉलेज के सामाजिक कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. साहिब सिंह और एसोसिएट प्रो. डॉ. हेमंत मिश्रा ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण करवाने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को समझाना रहा। उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को कल्याणकारी संगठनों की संरचना और कामकाज और उनके काम के प्रभाव को समझाने में मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण के दौरान सबसे पहले विद्यार्थी नेहरु युवा केंद्र में पहुंचे।

होली मदर स्कूल में कैपेसटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत अध्यापक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

होली मदर पब्लिक स्कूल यमुनानगर में शनिवार को कैपेसटी बिल्डिंग प्रोग्राम के तहत अध्यापक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान सीबीएसई द्वारा बनाए गए रिसार्स परसन सपना शर्मा व अनुपमा शर्मा ने अध्यापकों से रूबरू होकर उनको बच्चों को पढ़ाने के लिए लाइफ स्किल्स की विस्तृत जानकारी दी। रिसार्स परसन अनुपमा शर्मा ने कहा कि यदि बच्चों को पढ़ाने के साथ साथ भावनाएं जोड़कर समझाया जाए तो बच्चे बहुत जल्दी किसी भी बात को समझ सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हमें बच्चों के साथ प्यार दर्शाते हुए उन्हें अपने विषय के साथ जोड़ने का प्रयास करें। यदि हम ऐसा करते हैं तो निश्चित ही बच्चे भी एहसास करते हुए उन्नति की ओर अग्रसर हो सकते हैं। सपना शर्मा ने कहा कि बच्चों को यदि सही तरीके से सही मार्गदर्शन दिया जाए तो बच्चे सच में आने वाले कल को चार चांद लगा सकते हैं।

विद्यार्थियों का सांस्कृतिक धरोहरों व परंपराओं के प्रति जागरूक रहना जरूरी : तोशल वाधवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव सुढैल स्थित न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर चल रहे दो दिवसीय शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर मुख्यातिथि के रुप में स्कूल प्रबंधक समिति के चेयरमैन जीएस शर्मा ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता स्कूल की प्रधानाचार्या तोशल वाधवा ने की। प्रधानाचार्या तोशल वाधवा ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक समेत विभिन्न धरोहरों के प्रति जागरुक रहना बेहद जरुरी है।

उन्होंने बताया कि स्कूल में आयोजित किए गए दो दिवसीय शैक्षणिक और रचनात्मक कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक धरोहरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें अपने इतिहास, परंपराओं व धरोहरों के संरक्षण की जिम्मेदारी का एहसास कराना रहा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत, विचार व श्लोकों के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कक्षा तीन व चार के बच्चों ने यमुनानगर के ऐतिहासिक स्थलों, प्रसिद्ध मंदिरों, गुरुद्वारों और धरोहर स्थलों की जानकारी एकत्र कर प्रस्तुत की। इस गतिविधि ने नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों को अपने स्थानीय इतिहास से जोड़ने का कार्य किया।

खबर संक्षेप

ड्रोन तकनीक के बारे में दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय की अटल टिंकरिंग लैब द्वारा 19 अप्रैल 2025 को एक ड्रोन कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अटल इनोवेशन मिशन (नीति आयोग) के मेंटॉर ऑफ चेंज श्री सुमित तहलवानी द्वारा संचालित की गई। तहलवानी ने छात्रों को ड्रोन तकनीक के बारे में गहन जानकारी प्रदान की।

सांसद जिंदल 1 मई को लेंगे दिशा की बैठक

कुरुक्षेत्र। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी (दिशा) की द्वितीय बैठक 1 मई 2025 को लघु सचिवालय के सभागार में होगी। इस बैठक की अध्यक्षता सांसद नवीन जिंदल करेंगे। इस बैठक का एजेंडा सभी विभागीय अधिकारियों को भेज दिया गया है। इस बैठक में सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ बैठक में पहुंचना सुनिश्चित करेंगे और अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित एटीआर जल्द प्रशासन के पास भिजवाना सुनिश्चित करेंगे।

बाढ़ बचाव प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 अप्रैल से

थानेसर। अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने कहा कि वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव हरियाणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग चंडीगढ़ के आदेशानुसार पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी ब्रह्मसरोवर पर राज्य स्तरीय बाढ़ बचाव प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 से 26 अप्रैल 2025 तक किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को

थानेसर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायधीश आराधना साहनी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 10 मई 2025 को होने वाली नेशनल लोक अदालत को लेकर ली बैठक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम नितिन राज ने बैठक में उपस्थित संबंधित विभागों को इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक केस सुलझाने के निर्देश दिए।

खराब मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता, कई डेरो में आग से पशुओं की जलने से मौत

आंधी से उखड़े पेड़, बिजली के पोल गिरे, बत्ती रही गुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिले में गत दिवस आई तेज आंधी के कारण शहर व गांवों में सड़क किनारे खड़े पेड़ उखड़ गए। इस कारण जिला की कई कॉलोनियों में शनिवार को बिजली सप्लाई बाधित रही। शनिवार को पूरा दिन बिजली निगम के कर्मचारी नुकसान का आंकलन करने के साथ-साथ बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे रहे। गर्मी के मौसम में लाइट बाधित रहने से लोगों को रात में परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली निगम के कर्मचारी खंभे गिरने से क्षतिग्रस्त हुई लाइनों और फॉल्ट को ठीक करने में दिनभर जुटे रहे। कर्मचारियों को बिजली सप्लाई को सुचारू करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी है। वही तेज आंधी के चलते जिले में शुक्रवार रात्रि चंद्रभानपुरा, ज्योतिसर, दीवाना थाना, समसीपुर गांव में आग लग गई। आग लगने से ग्रामीणों के फूस के साथ साथ खेतों में खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गए। वही कई डेरो में आग से पशुओं की जलने से मौत हो गई। शुक्रवार रात्रि थानेसर विधायक अशोक अरोड़ा ने गांव चंद्रभानपुरा में मौके का मुआयना किया और ग्रामीणों से बातचीत की। उधर शनिवार को पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने आग से प्रभावित इलाकों का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें नुकसान का उचित मुआवजा दिलाए जाने का आश्वासन दिया। वही खराब मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिला की मंडियों में हजारों क्विंटल खुले आसमान के नीचे पड़ा है।

कुरुक्षेत्र। सेक्टर 7 में गिरा पड़ा पेड़। और गांव चंद्रभानपुरा में ग्रामीणों से बातचीत करते पूर्व मंत्री सुभाष सुधा और गांव चंद्रभानपुरा में जलकर राख हुई फसल व कूप।

स्कूल बस के उपर गिरा बिजली का पोल

शाहबाद। शुक्रवार शाम को तेज हवाओं के साथ आंधी चली हवा और आंधी की तीव्रता इतनी तेज थी कि शहर में कई जगह पर वृक्ष गिर गए। हुड्डा पार्ट 1 में महादेव पार्क के नजदीक एक बिजली का पोल वहां खड़ी स्कूल बस के ऊपर गिर गया। गनीमत रही बिजली का पोल स्कूल बस के ऊपर गिर गया नहीं तो पोल किसी के ऊपर भी गिर सकता था जिससे किसी की जान माल का नुकसान होने से बचाव हो गया।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने मुआवजे की मांग की

कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा ने तथा जिला सचिव कामरेड कृष्ण चंद ने कहा कि गत रात आई तेज आंधी के कारण जिला के गांव दिवाना, मांगना, सयोंसर,खेडी शीशगरां, गढी रोडान, ज्योतिसर आदि गांव में सैंकड़ों एकड़ गेंहू की खड़ी फसल तथा फाने आग लगने से जलकर राख हो गए। दिवाना गांव में तो आग से घरों को भी काफी नुकसान हुआ है। किसानों ने जीतोड़ मेहनत कर जिस गेंहू की फसल को खुशी खुशी घर में लाने का सपना संजोया था, किसानों का वह सपना एक पल में स्वाहा हो गया। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने किसानों की इस बबार्दी पर गहरा दुःख प्रकट किया।

चन्द्रभानपुर में 120 एकड़ गेहूं के फाने जलकर हुए राख : सुभाष सुधा

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा को ग्रामीणों ने नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गांव चन्द्रभानपुर में 120 एकड़ के लगभग गेहूँ के फाने जलकर राख हो गये, भूसे के 12 कूप व उपलों के 25 गवारे भी आग की भेंट चढ़ गए। रविन्द्र सुपुत्र केहर सिंह की 15 ट्राली पराली की गांठ इस आग में जल गई। गांव खासपुर में 50 एकड़ गेहूँ के फाने, किसान धर्मसिंह की 1.5 एकड़ गेहूँ की फसल, रामेश्वर सुपुत्र कृपा राम की ठेके पर ली हुई 4 एकड़ की गेहूँ की फसल भी जल गई। गांव दयालपुर में हरी सिंह सुपुत्र रामधारी के 8 एकड़ की गेहूँ के फाने जल गये व साथ ही समसीपुर के किसान की आधा एकड़ गेहूँ की फसल भी जल गई। ज्योतिसर के साथ लगते आडू फार्म में 70 एकड़ गेहूँ के फाने जल गये। यह आग बुधवार को लगी आग में बची हुई अधजली लकड़ी के पुनः सुलगने से लगी। बुधवार को लगी आग में 25 एकड़ के लगभग की गेहूँ की फसल जल गई थी, जिसमें नवतेज सिंह की 10 एकड,रणजीत सिंह की 8 एकड़ मुनी लाल की 35 एकड़, कलविन्द्र की 1 एकड़ गेहूँ की फसल जल गई थी।

पिहोवा में आंधी, तूफान ने मचाई तबाही, आग से भारी नुकसान

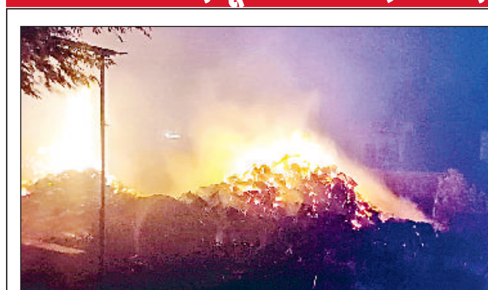

पिहोवा। खेतों में लगी आग का दृश्य और सड़क पर गिरा पेड़ का दृश्य।

पिहोवा। हल्के में तेज आंधी तूफान ने क्षेत्र में खूब तबाही मचाई। पेड़ गिरने से रास्ते जाम हो गए। अंबाला रोड पर डीएवी कॉलेज के सामने अचानक सफेदे का बड़ा पेड़ तूफान में सड़क पर आ गिरा। जिससे आसपास की बिजली की तारें टूट गई। पेड़ की चपेट में आने से कई बाइक और गाड़ियां भी क्षक्तिग्रस्त हुई। इसके अलावा गांव दीवाना के खेतों में तूफान के दौरान लगी भयंकर आग चारों तरफ फैल गई। जो गांव के बाहरी तरफ बने घरों में भी घुस गई। हादसे के दौरान जब आग गांव में तेजी से फैल रही थी तो लोगों ने अपने पशुओं को खोलकर इधर-उधर भगाया। तब जाकर उनकी जान बच पाई। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंची। जिसके बाद तहसीलदार विनती व पुलिस अपनी टीम सहित बचाव कार्य के लिए पहुंच गई। डेरा सच्चा सौदा की ग्रीन ब्रिगेड भी ग्रामीणों की मदद के लिए अपने सामान सहित गांव में पहुंची। आग के दौरान गांव दीवाना में मायाराम का निमाणधीन मकान जल गया। उसमें काम चल रहा था। जिसमें लकड़ी के दरवाजे आदि रखे हुए थे। मकान की डाउन सीलिंग पीवीसी सभी सामान जल गया व खेतों में बने पोला राम के मकान में भी आग लगने की सूचना मिली है। इसके अलावा मोबाइल टावर भी आग से क्षतिग्रस्त हुआ ओर गांव में एक बाड़े में ट्रैक्टर, ट्राली जलकर नष्ट हो गई व अनेक स्थानों पर तूड़ी, कूप जलकर राख हो गए। उधर, गांव गलेडवा, खेड़ी शीशगरां और स्योंसर के सरस्वती वन रेंज जंगल में भी आग लगने की सूचना मिली। समाचार लिखे जाने तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों द्वारा आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे थे और नुकसान का आंकलन नहीं हो पाया था।

शीघ्र बोनस जारी न होने पर किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे : प्रताप सिंह

- गेंहू की खरीद की गई बोरियों का उठान तुरंत प्रभाव से किए जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान प्रताप सिंह जानकारी देते हुए।

अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा के जिला प्रधान प्रताप सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन और मंडी सचिवों की लापरवाही के कारण गेंहूं के तोल में गड़बड़ी हुई, जिससे किसानों में रोष है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि किसी भी किसान को अगर तोल में कोई गड़बड़ मिलती है, तो वह इसकी शिकायत प्रशासन को करे और आढ़तियो के साथ न उलझे। उन्होंने यह भी कहा कि आढ़ती उनके दुःख-सुख के साथी है और ज्यादातर आढ़तियों का तोल सही है। किसानों व आढ़तियों के बीच के टकराव का इस्तेमाल कर सरकार मंडियों व मंडी बोर्डो को पंगु या खत्म कर सकती है। सरकार की मंडी, किसान व खेती विरोधी नीतियों के कारण किसानों व आढ़तियों को अपनी एकता को मजबूत रखना चाहिए। सीएम फ्लेमिंग स्क्वाइड से कार्यवाही करवाने का मतलब मंडी व लोकल प्रशासन को शक्ति विहीन करना है, ताकि मंडी व्यवस्था को योजनाबद तरीके से खत्म किया जा सके। उन्होंने कहा कि मंडियों में खरीद की गई गेंहू की बोरियों का उठान समय पर नहीं हो रहा, जिस कारण मंडियों से बाहर दूर तक किसानों को फसल डालनी पड़ रही है और उन्हें फसल की रखवाली करनी पड़ती है। उन्होंने सरकार से माँग की कि गेंहूं की खरीद की गई बोरियों का उठान तुरंत प्रभाव से किया जाए।

कुवि ने घोषित किए 11 परीक्षाओं के परिणाम

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में परीक्षा शाखा द्वारा 11 परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि दिसम्बर 2024 में आयोजित एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस) सॉफ्टवेयर प्रथम सेमेस्टर (एनईपी), बी.वोक टेक्सटाइल और फैशन डिजाइनिंग तृतीय सेमेस्टर, बी.वोक फैशन टेक्नोलॉजी, एम.ए. (अर्थशास्त्र) प्रथम (रि-अपीयर), एम.ए. (अर्थशास्त्र) तृतीय सेमेस्टर, फैशन अपीयरेंस डिजाइनिंग स्नातक सातवें सेमेस्टर,. एम.ए. (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन) तृतीय सेमेस्टर (फ्रेश$रि-अपीयर) नॉन-सीबीसीएस,. वोकेशनल डिप्लोमा (खाद्य विज्ञान और गुणवत्ता नियंत्रण) प्रथम सेमेस्टर (रिअपीयर) दिसंबर, आदि परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए।

योग भारत की प्राचीनतम संपदा : देसराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

- भारतीय योग संस्थान के दो दिवसीय प्रांतीय योग प्रशिक्षण शिविर का प्रथम दिवस संपन्न

भारतीय योग संस्थान, मुख्यालय रोहिणी, दिल्ली के तत्वावधान में संस्थान के योगाश्रम, मिजार्पुर में हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के योग साधना केंद्रों के प्रमुखों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय योग प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन सबसे पहले प्रतिभागियों को शारीरिक शुद्धि क्रियाओं कुंजल, जल नेति, रबड़ नेति व सूत्र नेति का अभ्यास करवाया गया। तत्पश्चात सक्षम अधिकारियों द्वारा सूक्ष्म व्यायाम, ओम ध्वनि व गायत्री मंत्र उच्चारण के पश्चात योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान साधना के सत्र लिए गए। संस्थान के अखिल भारतीय प्रधान देसराज ने कुछ आसनों का बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाया तथा साधकों की योग संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया। योग का इतिहास बताते हुए उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीनतम संपदा है। वस्तुतः योग का प्रादुर्भाव तभी हुआ जब सृष्टि का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि यदि योग में शक्ति न होती तो विश्व में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस न मनाया जाता। पवास करने से बीमारियों से बचाव होता भी नहीं छुटकारा भी मिलता है। हमारा भोजन 80% क्षारीय तथा 20% अम्लीय होना चाहिए। चबा चबाकर भोजन करने से उसमें मिली लार उसे क्षारीय बना देती है।

कुरुक्षेत्र। प्रांतीय योग प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए भारतीय योग संस्थान के अखिल भारतीय प्रधान देशराज एवं अखिल भारतीय महामंत्री ललित गुप्ता।

आंधी व तूफान के कारण नेता डीडी शर्मा हादसे में घायल

कुरुक्षेत्र। पिहोवा से भाजपा प्रत्याशी रहे समाजसेवी जय भगवान शर्मा डीडी देर रात एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। जय भगवान शर्मा गत रात्रि पिहोवा हलके में भारी तूफान के बाद जली हुई फसलों का जायजा लेने के लिए जा रहे थे। जैसे ही जय भगवान शर्मा डीडी गांव लुखी से पिहोवा की ओर जा रहे थे। सड़क पर आंधी व तूफान के चलते पेड़ गिर गए थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित कार ने पीछे से उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में जयभगवान शर्मा डीडी को गंभीर चोटें आई। डीडी शर्मा को दुर्घटना में पेल्विक बोन (कूल्हे की हड्डी) तथा चेहरे पर चोट आई हैं। सिर, छाती और पेट पर भी चोटें हैं, लेकिन खतरे से बाहर हैं। हादसे में घायल डीडी शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया, जहां पर उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली में शिफ्ट किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। बता दें कि गत रात्रि पिहोवा हलके में तूफान व आगजनी से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा। आग ने जो तांडव मचाया, यह मंजर किसी से देखा नहीं गया। आग कई गांवों में पहुंच गई थी। किसानों की फसलें बुरी तरह जलकर राख हो गई। जैसे ही डीडी शर्मा को इसका पता लगा तो उन्होंने फौरन प्रशासनिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी और खुद भी आग की घटनाओं का आकलन करने के लिए पिहोवा में पहुंच गए।

कुरुक्षेत्र। हादसे में क्षतिग्रस्त डीडी शर्मा की गाड़ी और भाजपा नेता डीडी शर्मा।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा ने मुख्यमंत्री सैनी को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा का एक प्रतिनिधि मंडल अपनी मांगों पर बातचीत का समय लेने हेतु हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को उनके चंडीगढ़ निवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा के वरिष्ठ उपप्रधान प्रेम सिंह बेरथली ने किया। मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कुरुक्षेत्र पहुंचे संगठन के प्रधान महासचिव पहल सिंह तंवर व उप महासचिव राजपाल गुंसर ने पत्रकारों को बताया कि प्रतिनिधिमंडल में उनके साथ संगठन के सुरेंद्र वधवा, जगतार सिंह सोढ़ी, श्रीचंद सैनी शामिल थे। शिष्टमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मांग पत्र पर शीघ्र अधिकारियों से बातचीत कर मांगो का हल निकालने का अनुरोध किया।

भगवत गीता एवं भरतमुनि नाट्यशास्त्र को यूनेस्को से मान्यता मिलना भारतीय ज्ञान परंपरा का सम्मान

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद् गीता एवं भरतमुनि नाट्यशास्त्र को यूनेस्को की 74 डॉक्यूमेंट्री हेरिटेज कलैक्शन में शामिल करना वास्तव में भारतीय ज्ञान परंपरा का सम्मान है। यह उद्गार संस्कृति प्रेमी एवं लोक सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक प्रो. महासिंह पूनिया ने यूनेस्को द्वारा पांडुलिपियों की पंजीकृत सूची में भारतीय ज्ञान परंपरा के दोनों ग्रन्थों को शामिल करने के पश्चात कहे। उन्होंने कहा कि गीता एक ऐसा ग्रन्थ है जिस का विश्व की लगभग सभी भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। भरतमुनि नाट्यशास्त्र सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय परंपरा एवं सांस्कृतिक इतिहास का का एक ऐसा ग्रन्थ है जिस को विद्वानों ने पांचवे वेद की संज्ञा दी है। समस्त भारतवासियों के लिए यह गौरवमयी उपलब्धि है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया यह प्रयास वैश्विक स्तर पर गीता एवं नाट्यशास्त्र की गरिमा को नई पहचान देगा। यह पहचान हर उस भारतीय की है जो भारत की ज्ञान परंपरा पर गर्व एवं गौरव महसूस करता है। इस उपलब्धि पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि श्रीमद्भगवद् गीता के 18 अध्यायों में जीवन का सार है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा के अनुसार गीता का स्थान वही है जो उपनिषद एवं धर्मसूत्रों का है। उपनिषदों को जहां गायं कहा गया है वहीं पर गीता को उसके दुग्धरूपी सार की संज्ञा प्रदान की गई है। डॉ. पूनिया ने बताया कि भरतमुनि का नाट्यशास्त्र जो प्रदर्शन कलाओं पर एक प्राचीन ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ 36 अध्यायों में विभाजित है।

प्रो. महासिंह पूनिया।

निट कुरुक्षेत्र में शिक्षांगन 2025 का शानदार आगाज

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र के एससीएसए द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्सव शिक्षांगन 2025 का भव्य उद्घाटन जुबली हॉल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों - इंजिनियर अनुराग सिंह, इंजिनियर सारिका और इंजिनियर जयवीर यादव के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात,शिक्षा समिति सलाहकार प्रोफेसर पी.सी. तिवारी, संकाय प्रभारी डॉ. नियति बलियान और डॉ. विकास सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया, जो ज्ञान और विद्या के प्रकाश का प्रतीक हैं। प्रोफेसर पी.सी. तिवारी ने अपने स्वागत भाषण में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों,शिक्षा समूह के संयोजकों व शिक्षा समूह के छात्रों का अभिनंदन किया और शिक्षांगन के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षांगन कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, जेमिका और शालू ने मधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके बाद, शिक्षा की एक स्वयंसेविका, जोशिता श्रीवास्तव ने प्रेरणादायक भाषण दिया। इस अवसर पर शिक्षांगन उत्सव का टीजर लॉन्च किया गया, जिसने आगामी दो दिनों की झलक दिखाई। दीपक और पारस की मनमोहक बांसुरी और गायन की जुगलबंदी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इसके बाद, पूर्वा, अनुष्का और सलोनी ने महाभारत के दृश्यों को जीवंत करती हुई एक शानदार नृत्य प्रस्तुति दी, जिसने भारतीय संस्कृति की गहराई को दर्शाया।

उपलब्धि जेईई मेन्स सेशन 2 में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के 17 छात्रों ने की उल्लेखनीय रैंक हासिल

चयन जुनेजा ने जेईई मेन्स सेशन 2 में ऑल इंडिया रैंक 1,524 की हासिल

- जेईई मेन्स भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक
- हम छात्रों की सफलता पर गर्व महसूस कर रहे : शैंकी अरोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने जेईई मेन्स 2025 सेशन 2 में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की। संस्थान की अटूट शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाते हुए कुरुक्षेत्र के एक छात्र ने ऑल इंडिया टॉप 2000 रैंकिंग में स्थान प्राप्त किया। संस्थान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीनियर असिस्टेंट डायरेक्टर शेखर शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष कुरुक्षेत्र शाखा के कुल 17 छात्रों ने उल्लेखनीय रैंक हासिल की। इनमें चयन जुनेजा ने एआईआर 1524 रैंक प्राप्त कर इस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा वृष्टि ने 3410 रैंक, ओम गौड़ ने 4068 रैंक, अदित्य रमन शर्मा ने 4721 रैंक, धुरव छाबड़ा ने 5582 रैंक, मौलिक गाबा ने 6421 रैंक, मानिक गोयल ने 7241 रैंक, यश ने 8403 रैंक, सागर ने 8547 रैंक, सौरभ रोहिला ने 9078 रैंक, केशव गर्ग ने 9517 रैंक, भविष्य गोयल ने 9621 रैंक, केशव वशिष्ठ ने 9884 रैंक, आदित्य जिंदल ने 11548 रैंक, जशन ने 12532 रैंक, अलिश सैनी ने 12697 रैंक व परीक्षित आर्य ने 14455 एआईआर रैंक प्राप्त किया। इन परिणामों से साबित होता है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से शानदार सफलता हासिल की जा सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को परिणाम घोषित किए, जिससे इस साल के दूसरे और अंतिम जेईई सत्र का समापन हुआ। एकेडमिक हैड इंजीनियरिंग हिमांशु पारिक ने बताया कि जेईई मेन्स भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। कई छात्र आकाश के क्लासरूम प्रोग्राम से तैयारी करते हैं ताकि वे आईआईटी जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर सकें। छात्रों को बधाई देते हुए ब्रांच मैनेजर शैंकी अरोड़ा व पूजा ने कहा कि हम अपने छात्रों की मेहनत और सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सभी सफल छात्रों को बधाई, और हम उनके आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

कुरुक्षेत्र। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के विद्यार्थी उल्लेखनीय रैंक हासिल करने पर खुशी का इजहार करते हुए।

दो सत्रों में आयोजित की जाती जेईई मेन्स

ब्रांच मैनेजर शैंकी अरोड़ा ने बताया कि जेईई मेन्स दो सत्रों में आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को अपने स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस उन छात्रों के लिए प्रवेश का द्वार खोलता है जो प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में जाना चाहते हैं, जबकि जेईई मेन्स के जरिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का रास्ता बनता है। आकांश न केवल इंजीनियरिंग (जेईई) बल्कि मेडिकल (नीट), एनटीएसई, ओलंपियाड जैसी परीक्षाओं की भी बढ़िया तैयारी करवाता है। संस्थान छात्रों को उनकी पूरी क्षमता पहचानने और अपनी अकादमिक सफलता को हासिल करने के लिए बेहतरीन टेस्ट प्रिपरेशन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ड्रग फ्री हरियाणा के मकसद से शुरू हुई साइकिल यात्रा का भव्य स्वागत

- नुक्कड़ नाटक के जरिए भी युवाओं ने हर व्यक्ति को नशे से दूर करने का आग्रह किया, बरसुमाजरा के जरिए पंचकूला में यात्रा ने किया प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से निकाली गई ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथोन-2.0 यात्रा शनिवार को यहां पहुंच गई। इस अवसर पर गांव अम्बली के राजकीय उच्च विद्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने बतौर मुख्यतिथि यात्रा का स्वागत करते हुए नशा मुक्त हरियाणा बनाने की शपथ दिलाई। साथ ही यात्रा को यहां से हरी झंडी दिखाकर जिला पंचकूला की ओर रवाना किया। साइकिल यात्रा में पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. ब्रह्मजीत, एसडीएम शाश्वत सांगवान, नंबरदार सुरेश पाल, संदीप सैनी , हनीश सैनी, नवीन सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों, युवाओं, स्कूल व कालेज के विद्यार्थीयों सहित भाजपा पदाधिकारियों के साथ पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों ने साइकिल चलाकर ड्रग फ्री हरियाणा बनाने का संदेश दिया।

यात्रा के स्वागत समारोह में स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को नशा मुक्ति का संदेश दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने कहा कि ड्रग फ्री हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की दिशा में शुरू की गई यात्रा जन-जन तक ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए यात्रा सीएम का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने स्वयं साइकिल चलाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा जैसी बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर अपनी भागेदारी निभानी होगी।

युवाओं ने रंगारंग प्रस्तुतियों से धमाल मचाकर दिया संदेश

अंबाला। साइकिल यात्रा में शामिल पूर्व विधायक व अन्य, स्वागत गीत गाती स्कूली छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

साइकिल यात्रा में साथ चल रहे पुलिस के सब इंस्पेक्टर डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि हिसार से 5 अप्रैल को यह यात्रा शुरू हुई थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसका शुभारंभ किया था। डबवाली सिरसा में यह यात्रा 27 अप्रैल को संपन्न होगी। तब तक यह पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति का संदेश लेकर घूमेगी। उन्होंने बताया कि 15 दिन में यह यात्रा 17 जिलों को कवर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि यात्रा का बहुत अच्छा प्रभाव रहा है। एडीसी ने कहा कि यात्रा नशा मुक्त हरियाणा बनाने में कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस यात्रा से लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस यात्रा के माध्यम से हरियाणा को नशे से मुक्त करने की दिशा में एक मजबूत संदेश जन-जन तक पहुंचेगा। एसडीएम शाश्वत सांगवान एवं अन्य अधिकारियों ने यात्रा में शामिल प्रतिभागियों को फूल मालाएं पहना कर स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नुक्कड़ नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से नशे की रोकथाम पर संदेश दिया। गांव अंबली में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा कुछ ग्राम पंचायतों एवं नगरपालिका पार्षदों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद सदस्यों के अलावा अन्य कुछ गणमान्य व्यक्ति को भी सम्मानित किया गया। जिन्होंने नशे को रोकने एवं जागरूकता फैलाने में अपना सहयोग दिया है। यात्रा में शुरू से चल रहे 66 वर्षीय सहदेव निवासी रोहतक ने बताया कि वे पुलिस से सेवानिवृत हैं।

बरसुमाजरा में भी हुआ स्वागत

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम के तहत ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर साइक्लोथॉन-2.0 यात्रा का गांव बरसुमाजरा में भी अभिनंदन किया गया। यहां पर युवा एकता शक्ति संगठन बरसुमाजरा के युवा सदस्यों के फूलमालाएं पहनाकर यात्रा में चल रहे लोगों का स्वागत किया। संगठन के सदस्यों ने यात्रा में चल रहे लोगों की लस्सी और पानी की सेवा की। संगठन के सदस्यों ने कहा कि नशे के खिलाफ जनता को जागरूक करने के लिए मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी की ये अच्छी पहल है। हर सामाजिक संगठन को नशे के खिलाफ चल रही इस मुहिम में सरकार का साथ देकर हरियाणा से नशे को समाप्त करने में भूमिका निभानी चाहिए यह यात्रा ससदौरा जिला यमुनानगर से होते हुए मारकंडा पुल से होकर वाया अंबली, बरसुमाजरा होते हुए नारायणगढ़ पहुंची। केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा भी यात्रा का स्वागत किया गया।

ये रहे मौजूद

मौके पर जिला परिषद सदस्य पंकज सैनी, मंडल प्रधान धर्मबीर गुर्जर, विक्रम राणा शहजादपुर, प्रवीण धीमान, प्रिंसिपल सुशीला जांगडा, प्रेम सैनी बडी बस्सी, नपा सदस्य जश्र ढींगरा, मनीष अग्रवाल, पूर्व सरंपच रणधीर भूरेवाला, सरपंच मुकेश अंबली, दीपचंद सैनी, नैब सैनी रज्जूमाजरा, श्रवण सैनी भरेडी, कुलदीप सिंह दिप्पी, संजीव कौशिक, संजीव सैनी संगरानी भी मौजूद थे।

इस यात्रा में शामिल होकर ड्रग फ्री हरियाणा बनाने का संदेश दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

नेशनल लोक अदालत आयोजन 10 को

अंबाला। सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रवीण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय व सब डिविजन नारायणगढ़ की अदालतों मे दिनांक 10 मई 2025 को किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्थाई लोक अदालत व उपभोक्ता अदालत में नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 मई 2025 को किया जाएगा। उन्होंने जनसाधारण से अपील की कि वे अदालत मे बिजली, पानी इत्यादि संबंधित लंबित मुकदमें व प्री लिटिगेशन स्टेज पर इस लोक अदालत मे रख कर उनका निपटारा करवा सकते हैं।

गेहूं उठान कार्य में तेजी लाने के आदेश

अंबाला। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि जिले में 15 मंडियों व खरीद केंद्रों पर सरकारी व अन्य एजेंसियों द्वारा अब तक 166181.3 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद कर ली गई है। अब तक 28858 किसान गेहूं लेकर मंडियों में आ चुके हैं। इसके अलावा एजेंसियों द्वारा गत दिवस तक 40.5 प्रतिशत के साथ 67284 मीट्रिक टन गेहूं के उठान कार्य को पूरा कर लिया है। उपायुक्त ने सभी एजेंसियों के अधिकारियों को गेहूं उठान कार्य में तेजी लाने के आदेश दिए हैं।

किसानों को मिलेगा 80 प्रतिशत अनुदान

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. जसविंद्र सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा जिले में फसल विविधिकरण कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भूमि की उर्वकता बनाए रखने व हरी खाद को बढ़ावा देने के लिए ऊंचा के प्रदर्शन प्लाटों का आयोजन किया जाना है। इसके लिए 2160 क्विंटल ढैंचे का बीज 80 प्रतिशत अनुदान पर दिया जा रहा है। एक एकड़ हेतू 12 किलोग्राम बीज व एक किसान अधिकतम 10 एकड़ तक लाभ प्राप्त कर सकता है। उंचा बोने के इच्छुक किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाएं।

शनिवार शाम 5 बजे तक भी दर्जनों गांव में गुल रही बिजली, निरंतर काम करते रहे कर्मचारी

आसमानी बिजली गिरने से राजोखेड़ी पॉवर हाउस की मशीनरी में लगी आग, 70 गांवों में दो घंटे तक रहा ब्लैक आउट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

गांव राजोखेड़ी में शुक्रवार रात को 220 केवी के आसमानी बिजली गिरने से पॉवर हाउस के बस बार में आग लगने से हडक़्प मच गया। हर कोई आसमान में रंग बिरंगी लाइटों की चमक देख किसी बड़े हादसे के बारे में सोचता नजर आया। पॉवर हाउस में लगी आग इतनी भंयकर थी कि अगर समय रहते इस पर काबू न पाया गया होता तो इससे बड़ी तबाही हो सकती थी। समय रहते ही विभागीय कर्मचारियों ने मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग पर जल्द ही काबू पा लिया। इस हादसे के बाद पॉवर हाउस में बिजली की सप्लाई ठप्प हो गई। इसी वजह से हजारों उपभोक्ताओं को शुक्रवार की रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। बिजली विभाग के अधिकारियों ने दावा किया कि उन्होंने लगभग दो घंटे के बाद ही किसी अन्य पॉवर हाउस से बिजली की सप्लाई जोडक़र सप्लाई चालू कर दी थी। इलाके के दर्जनों गांव रात भर भी अंधेर की चपेट में ही रहे।

दर्जन भर गांव रहे अंधेरे में

ब्लैक आउट की स्थिति होने के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मच गया। विभाग के कर्मचारी और अधिकारी हरकत में आए। बताया जा रहा है कि आनन-फानन में तेपला पॉवर हाउस से लाइन जोड़क़र बिजली आपूर्ति को बहाल किया गया। तेज आंधी की वजह से बिजली लाईन को हुए नुकसान के कारण गांवों की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई जिस कारण गांव तंदवाल, तंदवाल, चहलमाजरा, सज्जनमाजरी जैसे दर्जन भर गांव सारी रात अंधेरे में रहे। इन गांव में अगले दिन शनिवार को सुबह केवल 5 मिनट के लिए बिजली आई लेकिन फिर चली गई। इन गांवों में शनिवार शाम 5 बजे तक भी बिजली नहीं आ पाई थी। बिजली न आ पाने के कारण ग्रामीण परेशान दिखे।

अंबाला। पॉवर हाउस की खराब मशीनरी को दुरुस्त करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

रात को पॉवर हाउस की मशीनरी में आग लगने के बाद से बिजली सप्लाईं बंद हो गई थी जिसके बाद अन्य विकल्पों का सहारा लेकर दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इलाके की बिजली व्यवस्था को दुरूस्त कर दिया गया था। तेज हवा के कारण ग्रामीण इलाकों में पेड़ आदि के बिजली तारों पर गिरने के कारण बिजली गांवों में नहीं पहुंच पाई। मशीनरी को ठीक करने के लिए अलग-अलग जगहों से अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की गई है। अगले कुछ ही घंटों में सब जगह की बिजली सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।
-संदीप कुमार , एसडीओ

दिनभर काम करते दिखे कर्मी

गांव राजोखेड़ी के पॉवर हाउस में आसमानी बिजली के गिरने के बाद महकमे के आला अफसर तुंरत हरकत में आ गए। रात में ही अधिकारी व कर्मचारी राजोखेड़ी के पॉवर हाउस में पहुंचकर खराब हुई मशीनरी को ठीक करने में लग गए। शनिवार दोपहर को पावर हाउस पर कई कर्मचारी मशीनरी को ठीक करते नजर आए। पॉवर हाउस की मशीनरी को ठीक करने के लिए विभाग के रिटायर्ड कर्मचारियों को भी बुलाया गया था। पॉवर हाउस में कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें बिजली के उपकरणों को ठीक करने में लगी थी।

चार पॉवर हाउस को मिलती है बिजली: गांव राजोखेड़ी स्थित 220 केवी का पॉवर हाउस बेहद अहम है। इससे चार पॉवर हाउसों को सप्लाई मिलती है। यहां से शाहाबाद, कुरुक्षेत्र, बराड़ा, इस्माईलाबाद आदि इलाकों की सप्लाई होती है। शुक्रवार रात को पॉवर हाउस की मशीनरी में आग लगने से इलाके की बिजली सप्लाई अचानक से बाधित हो गई। इससे लगभग 70 गांवों में ब्लैक आउट की स्थिति पैदा हो गई।

बराड़ा। आंधी से टूटा दुकान का शेड। फोटो : हरिभूमि

तेज हवाओं की वजह से टूटकर गिरे पेड़, कई शेडों को ले उड़ी हवा, जन-जीवन पर असर

- तेज आंधी और बारिश से बिजली आपूर्ति व यातायात हुआ बाधित

बराड़ा। शुक्रवार देर शाम के बाद मौसम में हुए अचानक बदलाव के चलते आई तेज आंधी व हल्की बारिश ने क्षेत्र में जमकर कहर बरपाया। इन तेज हवाओं की गति इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर बड़े- बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए या टूटकर सडकों या रिहायशी इलाकों में आ गिरे। कस्बा में बैंक रोड पर स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान का लोहे की चादरों से बना शेड तेज हवा में उखड़ कर नीचे गिर गया। इस हादसे में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। मुख्य बाजार स्थित साहनी गारमेंट्स की दुकान के बाहर भी एक पेड़ टूटकर गिर गया जिससे राहगीरों में दहशत फैल गई। इसी प्रकार बाजार के अंडरपास के पास एक विशालकाय पेड़ टूटकर सडक़ के बीचों-बीच गिर गया, जिससे कुछ देर तक यातायात अवरुद्ध रहा। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने पेड़ की लकडिय़ों को काटकर रास्ता साफ किया। तंदवाल-शाहाबाद रोड़ पर कई जगहों पर पेड़ गिरने से सडक़ पर यातायात बाधित हो गया जिस कारण वाहन चालकों को चंदन पैलेस से उगाला वाया तंदवाल बराड़ा आने को मजबूर होना पड़ा। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली की तारें टूटकर जमीन पर गिर गई जिससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सडक़ पर चलने वाले वाहन भी अचानक मौसम में हुए इस बदलाव से थम से गए।

पूर्व मंत्री द्वारा विकास योजनाओं का उद्घाटन करने पर बिफरे विधायक

- विधायक निर्मल सिंह ने समर्थकों सहित नई अनाज मंडी का दौरा किया, अव्यवस्था, सफाई की कमी और ट्रैफिक जाम पर जिला प्रशासन को लिया आड़े हाथों

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पूर्व राजस्व मंत्री एवं अंबाला शहर से कांग्रेस विधायक निर्मल सिंह शनिवार को अंबाला शहर की नई अनाज मंडी में पहुंचे और किसानों, आढ़तियों और मजदूरों से बातचीत की। उनकी समस्याओं को मौके पर ही हल किया।

निर्मल सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से कहा कि वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीख लें जिन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए यमुनानगर के थर्मल प्लांट के उद्घाटन निमंत्रण पत्र व शिलान्यास पर कांग्रेस के सांसद वरूण चौधरी का नाम लिखा।

अंबाला। अनाजमंडी में किसानों व आढ़तियों से बातचीत करते विधायक निर्मल सिंह।

निर्मल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री लोकतंत्र का सम्मान करने की बजाए एक हारे हुए पूर्व मंत्री असीम गोयल को साथ लेकर घूमते हैं। उनसे उद्घाटन करवाकर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ऐसे में निर्मल सिंह ने नायब सैनी से कहा कि वह मोदी से सीख लें और लोकतंत्र का सम्मान करें। निर्मल सिंह यहीं चुप नहीं हुए उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी से श्वेत पत्र जारी करने की मांग की कि वह बताए कि किस आधार पर किस प्रोटोकॉल के तहत वह हारे हुए विधायक असीम गोयल के नाम के पत्थर लगवा रहे हैं। यह अंबाला शहर विधानसभा की जनता का अपमान है। निर्मल सिंह ने इसे सरासर गलत और लोकतंत्र का अपमान बताया। 1982 में पशुपालन मंत्री व 1991 में राजस्व मंत्री रहे निर्मल सिंह ने कहा कि जो अधिकारी हारने के बाद भी विकास कार्यो का शिलान्यास बोर्ड पर असीम गोयल का नाम लिख रहे हैं उनके खिलाफ विधानसभा में आवाज उठाई जाएगी। जो अधिकारी इस साजिश में शामिल हैं उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए मुहिम चलाई जाएगी।

नारायणगढ़। गेहूं की जांच करते हैफेड के निदेशक मुकुल कुमार। फोटो : हरिभूमि

हैफेड निदेशक ने मंडी का किया मुआयना नमी के साथ बोरियों में गेहूं का तोल जांचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारायणगढ़

हैफेड के निदेशक मुकुल कुमार ने शनिवार को अनाज मंडी का दौरा किया। उन्होंने मंडी में सरकारी बैग में भरी जा रही गेहू की नमी की भी जांच की। नमी की जांच करने के साथ साथ तोल की भी जांच की। इसके साथ ही निदेशक ने नई अनाज मंडी में बने किसान विश्राम गृह की व्यवस्थाएं भी जांची। मंडी में अपना अनाज लेकर आए किसानों से भी विस्तार में बातचीत की। उन्होंने मंडी में अपनी जांच के दौरान किसानों को सूखी और साफ गेहूं मंडी में लाने की अपील की ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

इस अवसर पर उनके साथ हैफेड के जिला प्रबंधक देवेंद्र सिंह,मार्केट कमेटी सचिव अखिलेश शर्मा , प्रबंधक अनिल कुमार समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। निदेशक ने मंडी में खरीद कर रही एजेंसियों के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि गेहूं की खरीद के दौरान किसी भी किसान को कोई परेशानी न हो।

अब मशीनों से होगी नालों की सफाई पौने तीन करोड़ रुपये हुए खर्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- लंबे समय से नालों की नहीं हो पा रही थी सफाई

अंबाला शहर मं नालों की सफाई के लिए दो नई मशीन पहुंच गई हैं। इन मशीन में सुपर सकर, जैटिंग मशीन शामिल है। निगम की ओर से इन मशीन पर करीब पौने तीन करोड़ खर्च किए हैं। यह मशीन नालों को साफ करने में कारगर हैं। इससे नालों की पानी की निकासी बंद नहीं होगी।

वहीं, निगम में एक सुपर सकर मशीन व एक टैंकर आ चुका है। जल्द ही इन मशीनों को चलाया जाएगा। अभी मशीनों को चलाने के लिए कर्मचारियों का प्रशिक्षण चल रहा है। सुपर सकर मशीन के कंप्यूटराइज्ड होने से नाले के अंदर की गंदगी को आसानी से देखा जा सकेगा। मशीन के साथ लंबे पाइप है, जो अंदर तक जाकर मलबे को निकालेंगे। नालों की सफाई के दौरान जो मलबा निकलेगा, उसे टैंकरों में लादा जाएगा। शहर में कई जगह देखने में आता है कि सफाई न होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पाती, इस वजह से नाले ओवरफ्लो हो जाते हैं। अब सफाई कार्य में ऐसी दिक्कत नहीं आएगी।

इन आधुनिक मशीन से यह आसानी से साफ होंगे। निगम की ओर से काफी दिनों से सफाई अभियान चल रहा है, लेकिन नालों में गंदगी देखी जा सकती है। शहर के रामबाग रोड नाले की सफाई नहीं है। यह नाला गंदगी से अटा है। वार्ड-10 में नाले से गंदगी निकाली गई थी, लेकिन उसके बाद भी नाले में गंदगी जमा है। अतिक्रमण होने के कारण भी सफाई नहीं हो पा रही।

नालों की सफाई के लिए दो नई मशीन आ गई हैं। इन मशीनों को करीब पौने तीन करोड़ से खरीदा गया है। यह मशीन नालों के अंदर की गंदगी को आसानी से साफ कर सकती हैं। अभी मशीन चलाने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जल्द ही इन मशीन को चलवाया जाएगा।
-सैलजा सचदेवा, मेयर, नगर निगम

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर शुरू हुई बूम बैरियर सुविधा

रेलवे स्टेशन पर साइकिल खड़ी करने पर देने होंगे 200 रुपये

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

- पिक एंड ड्रॉप सुविधा पर भी लगेगा चार्ज

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर पिक एंड ड्रॉप सर्विस से वाहन चालकों की जेब ढीली होगी। रेलवे स्टेशन पर बूम बैरियर की सुविधा शुरू होने अब अगले कुछ दिनों में जेब पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। इसके लिए तकनीकी टीम द्वारा बूम बैरियर का परीक्षण सफलता पूर्वक कर लिया है। पिक अप एंड ड्रॉप 8 मिनट तक के लिए फ्री रहेगा। जिसके बाद यात्री को चार्ज देना होगा। अंबाला कैंट स्टेशन पर पार्किंग की व्यवस्था को सही बनाने के लिए रेलवे द्वारा यहां बूम बैरियर की व्यवस्था की गई है। पहले वाहनों के इधर-उधर खड़े होने से आवाजाही अवरुद्ध होती थी। अब यात्रियों को एंट्री और एग्जिट के समय अधिक परेशानी नहीं हुआ करेगी।

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर लगाए गए बूम बैरियर। फोटो : हरिभूमि

इस योजना के अंतर्गत अलग-अलग समय के हिसाब से यात्रियों को चार्ज देना होगा। इसके साथ ही तय सीमा के भीतर आपने गाड़ी स्टेशन परिसर से नहीं निकाली तो आपकी गाड़ी टो कर ली जाएगी। शुरुआती दौर में सुविधा को धरातल पर उतारने के लिए दो बूम बैरियर का इस्तेमाल किया गया है। इस दौरान एक बैरियर को खाली रखा जाएगा। ताकि स्टेशन पर आने वाले वाहनों का आवाजाही सुचारु ढंग से हो सके। बूम बैरियर सुविधा के तहत रेलवे स्टेशन पर 6 गेट बनाए गए हैं। इनमें से 3 आगमन तो 3 निकासी द्वार पर बनाए गए हैं। इसके साथ ही पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी लोहे की रेलिंग लगाकर जगह का निर्धारण किया जा रहा है। ताकि पैदल यात्रियों को परेशानी न हो।

बैरियर पर एक समय में 8 के करीब कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। इसमें वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक कर्मचारी के लिए अलग से पर्ची कटेगी। पर्ची पर भी इसकी जानकारी दर्ज होगी। इसके आधार पर ही वाहन का किराया लिया जाएगा। वहीं मॉडर्न कैमरों की मदद से वाहनों पर भी नजर रखी जाएगी। रेलवे ने पास बनाने की सुविधा का फैसला किया है। रेल कर्मचारी को साइकिल के लिए मासिक पास का शुल्क 100 रुपए देना होगा। जबकि दूसरे लोगों के लिए यह 200 रुपए रहेगा। दोपहिया वाहन के लिए 250 रुपए और चौपहिया के लिए 600 रुपए देने होंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

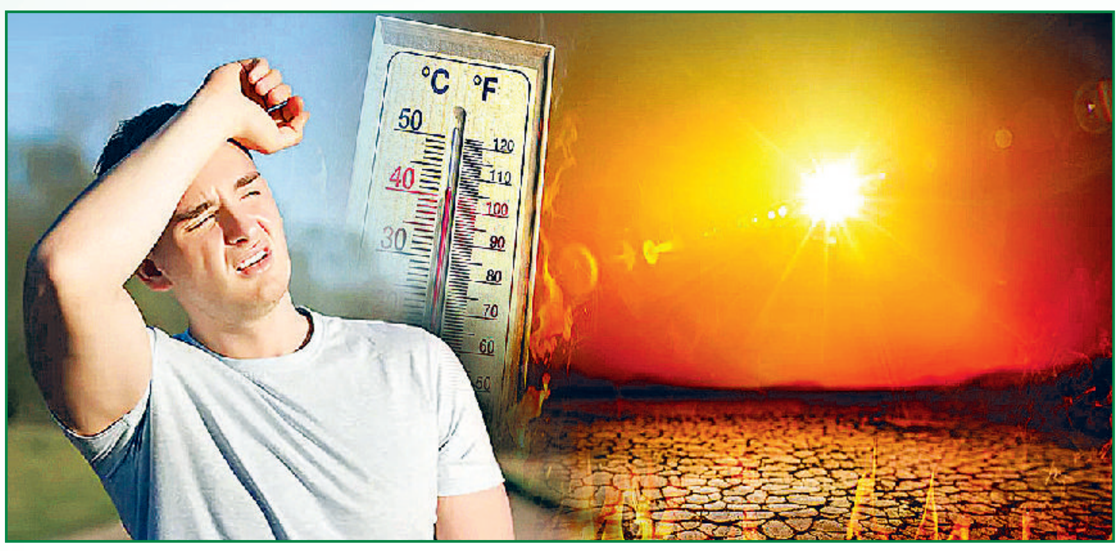

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

विशेष: पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

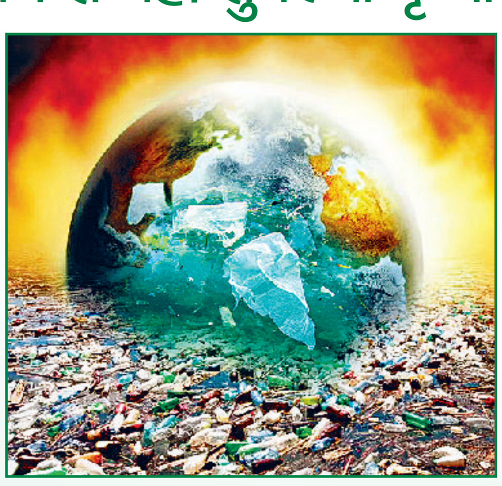

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

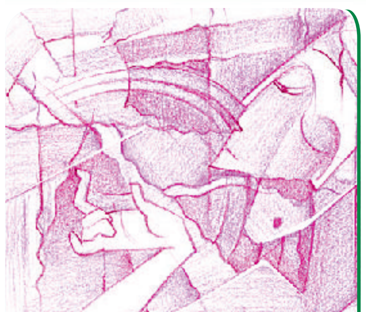

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

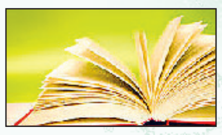

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

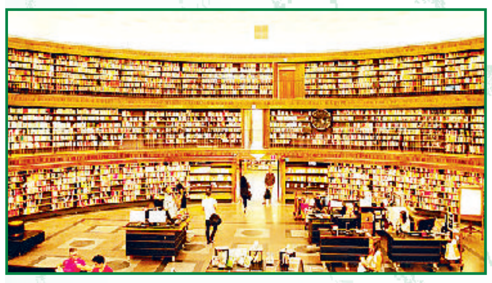

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अक्सर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल
डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा
अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं।

कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *